

PAPER-III
MUSIC

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 1 6 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

MUSIC
संगीत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about five hundred **(500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. What important aspects should be followed while preparing the synopsis of any topic for research in music. Also write on any **two** of the following :

- (a) Areas of research
- (b) Problems of research
- (c) Research methodology

शोध कार्य के शीर्षक की रूपरेखा तैयार करते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिये ? निम्नलिखित में से किन्हीं **दो (2)** पर भी लिखिये :

- (अ) शोध के क्षेत्र
- (ब) शोध की समस्याएँ
- (स) शोध की क्रियाविधि

OR / अथवा

Throw light on the role of supplementary components like distant education of music in instruction, use of electronic gadgets and music academies in imparting music education.

संगीत में दूरवर्ती शिक्षा की उपयोगिता, वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग एवं संगीत अकादमियों की भूमिका के माध्यम से सहायक तत्त्वों के प्रयोग पर प्रकाश डालिये ।

2. What is the concept of beautiful ? Explain about the factors / components helpful in the aesthetical presentation of music performance.

सौन्दर्य की अवधारणा क्या है ? संगीत प्रदर्शन में सहायक सौन्दर्य के तत्त्वों / अवयवों का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Give your views on any **four** of the following:

- (a) Changing pattern of Ragas or Talas
- (b) Vanishing Ragas or Talas
- (c) Vocational courses and career orientation in music
- (d) Regional music of your area with examples
- (e) Aspects of musicology
- (f) Vrindgan or Vrindvadan

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर अपने विचार व्यक्त कीजिये :

- (a) रागों अथवा तालों के बदलते स्वरूप
- (b) अप्रचलित राग अथवा ताल
- (c) व्यावसायिक एवं रोजगार सम्बन्धी संगीत के पाठ्यक्रम
- (d) अपने क्षेत्र के प्रादेशिक संगीत का उदाहरणों सहित वर्णन
- (e) संगीतशास्त्र के विविध आयाम
- (f) वृन्दगान अथवा वृन्दवादन

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words.

(3 × 15 = 45 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है।

(3 × 15 = 45 अंक)

Elective – I

विकल्प – I

Hindustani Music – Vocal and Instrumental

हिन्दुस्तानी संगीत – गायन एवं वादन

3. Define Rasa and also explain its importance in music.
रस को परिभाषित कीजिए एवं संगीत में रस के महत्त्व का वर्णन कीजिये।
4. Explain western staff notation with special reference to Time signature, key signature and value of notes.
पाश्चात्य स्टाफ नोटेशन पद्धति को समझाते हुये टाइम सिग्नेचर, की सिग्नेचर एवं पाश्चात्य मात्राओं का विशेष रूप से वर्णन करें।
5. Define a musical scale. Explain in brief the different kinds of scale with special reference to the merits and demerits of equally tempered scale.
सांगीतिक स्वर सप्तक को समझाइये। सप्तक के विभिन्न प्रकारों को संक्षेप में लिखते हुये विशेष रूप से समानान्तर सप्तक के गुण-दोषों को समझाइये।

OR/अथवा

Elective – II
खंड – II
Karnatak Music
कर्नाटक संगीत

3. There are positive aspects in contemporary music. Comment.
समकालीन संगीत में कई सकारात्मक पक्ष हैं । समीक्षा कीजिए ।
4. Elucidate the significance of musical stone pillars in temples.
मंदिरों के म्युजीकल पाषाण खम्भों के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।
5. Trace the evolution of Bhashanga ragas quoting examples.
भाषांग रागों के विकास की रूपरेखा, उदाहरणों सहित लिखिए ।

OR/अथवा

Elective – III
खंड – III
RABINDRA SANGEET
रबीन्द्र संगीत

3. Give the analysis of European music with respect to Indian music as described by Tagore.
टैगोर द्वारा वर्णित यूरोपियन संगीत की भारतीय संगीत के परिपेक्ष्य में विवेचना कीजिए ।
4. What is the influence of 'Thumri' on songs of Rabindranath ?
रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीतों पर ठुमरी का क्या प्रभाव है ?
5. 'Rabindranath's home had a profound influence on his compositions.' Discuss.
'रवीन्द्र नाथ की संगीत संरचनाओं पर उनके घर का भरपूर प्रभाव था ।' विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Elective – IV
विकल्प – IV
PERCUSSION INSTRUMENTS
अवनद्ध वाद्य

3. Describe the main characteristics of Marg taal system.
मार्ग ताल पद्धति की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिये ।
4. Explain the playing specialities of Ajarada gharana. Write in notation one quaida of this gharana with four paltas and a tihai.
अजराड़ा घराने की वादन विशेषताओं को समझाइये । इसी घराने का एक कायदा चार पल्ले एवं एक तिहाई सहित लिपिबद्ध कीजिये ।
5. Give full description of any one instrument from the following with sketch. Write short note on the playing technique of the same :
Tabla, Pakhawaj, Mridangam
निम्नलिखित में से किसी एक वाद्य का सचित्र संपूर्ण विवरण दीजिये तथा उस वाद्य की वादन तकनीक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
तबला, पखावज, मृदंगम्

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions, each to be answered in about **fifty (50)** words. Each question carries **ten (10)** marks. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Compare between the consonance and dissonance. Also write the names of consonant pair of swaras in musical scale.

संवाद-विवाद में अन्तर स्पष्ट कीजिये तथा सप्तक में संवादी स्वर जोड़ों के नाम लिखिये ।

7. What do you understand by Musical Interval ? Explain the various kinds of musical intervals.

सांगीतिक स्वरान्तर से आप क्या समझते हैं ? सांगीतिक स्वरान्तरों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये ।

8. Give your views on the utilization and importance of Notation system in music. Write a comparative sum-up of the notation system of Pt. Bhatkhande with that of Western Staff Notation.

संगीत में स्वरलिपि पद्धति की उपयुक्तता एवं महत्त्व पर अपने विचार प्रकट कीजिये तथा पं. भातखंडे एवं पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का तुलनात्मक विवरण दीजिये ।

9. Describe the Dhyan Theory of Ragas. What is the relation between Rag-Ragini paintings and Dhyan Theory of Ragas ? Explain.

रागों के ध्यान सिद्धान्त का वर्णन कीजिये । राग-रागिनी चित्र एवं ध्यान सिद्धान्त में क्या सम्बन्ध है ? समझाइये ।

10. Write short notes on any **five** of the following :

Raga Lakshan, Saśabda Kriya, Neraval, Rajakhani Gat, Ladi, Vaggeykar Jati, Farshbandi, Prasa, Yati, Tirobhav Marga Sangeet,

किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी लिखें :

राग लक्षण, सशब्द क्रिया, नेरवल, रज़ोखानी गात, लड़ी, वाग्गेयकार, जति, फर्शबन्दी, प्रास, यति, तिरोभाव, मार्ग संगीत

11. Do you consider Lakshya to be of greater importance than Lakshana ? Substantiate or write about the chief characteristics of any two Ragas of your choice.

क्या लक्षया का महत्व लक्षण से अधिक है ? अपने विचार की पुष्टि करें अथवा अपनी पसन्द के किन्हीं भी दो रागों की मुख्य विशेषतायें लिखिये ।

12. Western musical instruments adopted in South Indian Music or – North Indian Music.

दक्षिण भारतीय संगीत अथवा उत्तर भारतीय संगीत में पश्चिमी संगीत वाद्यों का प्रयोग ।

13. Describe the Sapta-taal system of Karnatak Music and give Lakshnas of three taalas.

कर्नाटक संगीत की सप्तताल पद्धति का वर्णन कीजिये तथा किन्हीं **तीन** तालों के लक्षण भी लिखिये ।

14. Throw light on the utility of taalas having equal matras in music. Also write two different Layakies in any one such Tala.

संगीत में सम-मात्रिक तालों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये । साथ ही इनमें से किसी एक ताल को दो प्रकार की लयकारियों में दर्शाइये ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Vocal and instrumental rendering of the Classical Ragas is a vital factor in creating Rasa of music, because the musician fills the listeners with different emotions by selecting appropriate Ragas. Besides Rasa, the musician also tends the listeners to spirituality. Whatever Rasa in music is derived is only determined by the Raga – Tala, Swar, Bandish, Form, Laya, instruments and the verse. There is Tirobhav – Avirbav of different Rasas by each and every component of the presentation of Raga. Swar gives pleasure by its spontaneous flow. Shruti, Gram, Moorchana, Sthan, Alankar, Varna, Yati, create the subjective form of Bandish and this very “Swar Saundarya adopts different shapes through the medium of Rag-Raginees. Other forms like Dhrupad, Dhamar, Khyal, Thumri, Baj and Masitkhani-Raja Khani Gats also express internal emotions of the human mind. Different Layas – Vilambit, Madhya, Drut also help in bringing out different Rasas like Shanta, Bhakti, Karun, Shringar and Veer. Also the time theory of Ragas, selection of Raga according to particular season, pitch, vibration, Laya all can create different emotions. Kaku Bhed, Alpatva-Bahutva, Nyas, Apanyas, Gamak, are all helpful in deriving different Rasas. By putting too much grammar, tans, Boltans and Gamak, the main element of Rasa is neglected and such music cannot give pleasure. Only a balanced use of the said components adds different colours, shades and Rasas in music.

संगीत द्वारा रसाभिव्यक्ति में शास्त्रीय राग गायन-वादन का विशेष महत्त्व है, क्योंकि संगीतज्ञ परिस्थितियों के अनुकूल राग चुनकर श्रोताओं को भिन्न भिन्न भावों के सागर में डुबो देता है । रंजकता के साथ ही आध्यात्मिकता की ओर भी श्रोताओं को उन्मुख करता है । संगीत में जो भी रस की प्राप्ति होती है वह राग, ताल, स्वर, गीत, शैली, लय, वाद्य और कविता से निर्धारित होती है । राग की हर क्रिया में भिन्न भिन्न रसों का तिरोभाव-आर्विभाव हुआ करता है । स्वर अपने सहज रूप से श्रोता के चित्त का अनुरंजन करता है । श्रुति, ग्राम, मूर्च्छना, स्थान, जाति, वर्ण, अलंकार आदि के समावेश से गीत के मूर्तरूप का निर्माण होता है और यही स्वर सौन्दर्य राग-रागिनियों के माध्यम से अनेकों रूप धारण करता है । अन्य शैलियों जैसे ध्रुपद, धमार, ख्याल, ठुमरी, बाज़, मसतिखानी-रज़ाखानी गत के द्वारा भी मानव मन के सूक्ष्म भावों को व्यक्त किया जा सकता है । रस निर्धारण में विभिन्न लयों-विलम्बित, मध्य व द्रुत द्वारा भी शान्त, भक्ति, करुण, शृंगार, वीर रसों के भावों की उत्पत्ति का विशेष योगदान होता है । रसानुभूति के सन्दर्भ में हम रागों के समय सिद्धान्त, ऋतुओं के अनुसार रागों का चयन, ध्वनि के उतार चढ़ाव, लय, आंदोलन, कंपन से उत्पन्न अलग अलग भावों को भी अस्वीकार नहीं कर सकते । रागों के विभिन्न अंग न्यास, अपन्यास, अल्पत्व-बहुत्व, गमक, काकुभेद भी रस परिपाक में सहायक होते हैं । व्याकरण की प्रधानता, तानों, बोल तानों की अधिकता, अधिक गमक के प्रयोग से भी रागों में रस की उपेक्षा हो जाती है और रस विहीन संगीत आनन्द की सृष्टि नहीं कर सकता । उपरोक्त सभी अवयवों के केवल संतुलित प्रयोग द्वारा ही संगीत प्रस्तुति में रस-भावों के भिन्न भिन्न रंग और छाया अभिव्यक्त किये जा सकते हैं ।

15. Describe the importance of Raga in creating Rasa in music.

संगीत में रसाभिव्यक्ति के लिए राग के महत्त्व को बताइये ।

16. Which main components of Raga determine the Rasa in music ?

राग के कौन कौन से अवयव संगीत में रस का निर्धारण करने में सहायक हैं ।

-
-
-
-
17. Name the elements of Swar, Tal and form of music which are helpful in Rasa-delineation.

स्वर, ताल एवं संगीत शैलियों के नाम बताइये जो रस निष्पत्ति में सहायक हैं ।

18. Give your views on the use of Grammar, taans and Boltans in creating Rasa in music.

संगीत में रसनिष्पत्ति में व्याकरण, तानें एवं बोलतानों के प्रयोग पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

19. Suggest the method of a balanced presentation with a perfect blend of components in music.

एक संतुलित प्रस्तुति में संगीत के अवयवों के उचित प्रयोग पर अपने सुझाव दीजिये ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date